Title: Requested to investigate and take rigid steps to punish the guilty officials who are allegedly involved in illegal constructions.

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक): अध्यक्ष महोदय, शहरी विकास मंत्री श्री जगमोहन जी ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चला रखा है। उसके बावजूद भी दिल्ली के अंदर अवैध निर्माण रुके नहीं हैं बल्कि बढ़ते जा रहे हैं। जगमोहन जी ने जो अवैध निर्माणों को रोकने की मुहिम छेड़ी हुई है उसमें मैं इनका साथ देता हूं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि अवैध निर्माण के खिलाफ जो मुहिम शुरू की है, उसके बावजूद रिहायशी क्षेत्रों में आज भी बड़े पैमाने पर अवैध मार्केट निर्माण पर कोई रोक नहीं लगी है बल्कि अवैध मार्केट निर्माण बढते जा रहे हैं, सिर्फ रिश्वत के रेट बढ़ गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली हाइकोर्ट ने एक जजमेंट दिया है जिसमें कहा गया है कि बहुमंजिले भवनों (अपार्टमेंट्स) को गिरा दिया जाए, लेकिन उसका भी कोई विशेष असर देखने में नहीं आ रहा है। इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि क्या ऐसे अवैध निर्माणों के लिए जिम्मेदार अफसरों, कमिश्नर, डिप्टी कमिश्निर, ए.ई. या जे.ई. जो भी संबंधित अधिकारी हैं उन्हें जिम्मेदार ठहराकर उनके खिलाफ क्या सरकार कोई कार्रवाई करेगी?

अध्यक्ष महोदय, जब तक सरकार एरिया के जो संबंधित अधिकारी हैं उनको इन अवैध मार्केट निर्माणों के लिए उत्तरदायी ठहरा कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करेगी तब तक मैं समझता हूं कि अवैध निर्माण दिल्ली में नहीं रुकेंगे। जब तक संबंधित अधिकारियों और क्षेत्रीय ए.ई. और जे.ई. के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी तब तक यदि सरकार यह उम्मीद करे कि ये अवैध निर्माण रुक जाएंगे, तो वह संभव नहीं है।

पिछले दिनों आपने देखा होगा, पूर्व आयुक्त पकड़े गए, एक इंजीनियर-इन-चीफ भारी रिश्वत के मामले में पकड़ा गया। बड़े-बड़े ब्यूरोक्रैट्स के बच्चे फौरेन कंट्रीज में पढ़ रहे हैं। सरकार को इन सारे मामलों की जांच करनी चाहिए। जब तक संलग्न अफसरों, चाहे वे डी.डी.ए. के हों चाहे कौर्पोरेशन के हों, पर जिम्मेदारी नहीं डाली जाएगी, तब तक ये रुकेंगे नहीं और दिल्ली साफ नहीं होगी।